तद्भव शब्द की पहचान (शॉर्ट ट्रिक के साथ)

④ अर्द्ध-चन्द्र बिन्दु (ँ) वाले शब्द -

आँख, दाँत, गाँव, चाँद, मुँह, अँधेरा - - - -

⑤ उत्क्षिप्त व्यंजन / ताड़नजात व्यंजन / विक्षिप्त व्यंजन (ड़, ढ़) वाले शब्द -

सड़क, लड़का, लड़ाई, डण्ड़ा, झण्ड़ा — शब्द के बीच

मेढ़क, पढ़ना, चढ़, गढ़, — शब्द के अन्त में प्रयोग

6. द्वित्व व्यंजन वाले शब्द –

तद्भव बच्चा, पप्पू, डिब्बा, बचपन, छप्पन, निकम्मा

स्वर रहित व्यंजन
स्वर सहित व्यंजन ⇒ द्वित्व व्यंजन

तत्सम → सच्चरित्र, उच्चारण, उज्ज्वल, सज्जन, उल्लेख, उड्डयन

सत्+चरित्र, उत्+चारण, उत्+ज्वल, सत्+जन, उत्+लेख, उत्+डयन

सम्मान, सम्मति, सम्मोहन ⇒ सम् = संस्कृत

7. हिन्दी के उपसर्ग से बने शब्द –

अ – अज्ञान

अन – अनबन

बिन – बिनखाया

अध – अधपका

नि – निडर

स – सपूत

क – कपूत

4. हिन्दी के प्रत्यय से बने शब्द –

संज्ञा
- बच्चा + पन = बचपन
- जवान + ई = जवानी
- बूढ़ा + आपा = बुढ़ापा

सर्वनाम
- अपना + पन = अपनापन
- मम + ता = ममता

विशेषण → सुन्दर + ता = सुन्दरता

क्रिया → लिख + आवट = लिखावट

विशेषण → मीठा + आस = मिठास

(१) हिन्दी की क्रिया से बने शब्द –

लिख + आकर = लिखाकर

पी + अक्कड़ = पियक्कड़

हँस + कर = हँसकर

पढ़ + ता = पढ़ता

खेल + आड़ी = खिलाड़ी

जा + ना = जाना

खेल – खिलाड़ी

क्रीड़ – क्रीड़ा

प्ले – प्लेयर

(10) जहाँ निम्न का प्रयोग किसी शब्द में हो –

तद्भव		तत्सम	
न –	नया	ण –	पुराण
ज –	सूरज	य –	सूर्य
स –	ससुर	श, ष –	श्वसुर, भाषा
ब –	बन	व –	वन
ख –	खेत	क्ष –	क्षीर, क्षेत्र
छ –	अच्छर		

लिंग

1. शुद्ध वर्तनी – 1. लिङ्ग ✓ 2. लिंग ✓, 3. लिङ्ग्ग ✗, 4. लिग ✗

2. लिंग शब्द में अनुस्वार चिह्न – ं लिङ्ग = लिङ्ग = लिंग

कवर्ग – क, ख, ग, घ, ङ

3 लिंग का शाब्दिक अर्थ – संकेत, निशान, पहचान, प्रतीक

4. परिभाषा –

① जिस पहचान / निशान से हमें किसी वस्तु, पदार्थ, व्यक्ति प्राणी के पुरुष या स्त्री जाति के होने का ज्ञान हो।

② जिससे किसी वस्तु, प्राणी के पुरुषत्व या स्त्रीत्व का बोध हो।

5. लिंग के भेद – मूल भेद – दो पुलिंग, स्त्रीलिंग

कुल भेद – तीन
1. पुल्लिङ्ग
2. स्त्रीलिङ्ग
3. उभयलिङ्ग

* पुल्लिंग - जिन शब्दों से हमें किसी वस्तु, प्राणी के पुरुष जाति के होने का ज्ञान हो।

जैसे - शेर, कुत्ता, शिक्षक, घोड़ा, कमरा, लड़का, पुरुष

* स्त्रीलिंग - जिन शब्दों से हमें किसी वस्तु, प्राणी के स्त्री जाति के होने का बोध हो।

जैसे - शेरनी, कुतिया, शिक्षिका, घोड़ी, पुस्तक, लड़की, स्त्री।

* उभयलिंग – ① जिन शब्दों का प्रयोग पुल्लिंग व स्त्रीलिंग दोनों के लिए किया जाता है।

↓↓ दोनों

② उभय का शाब्दिक अर्थ – दोनों

लिंग का शाब्दिक अर्थ – पहचान

{ पुल्लिंग / स्त्रीलिंग }

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, राज्यपाल, उपराज्यपाल, प्रधानमंत्री, उपप्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, उपमुख्यमंत्री, सांसद, विधायक, मंत्री, पार्षद, सरपंच, चैयरमैन, प्रधान, डॉक्टर, इन्जीनियर, मैनेजर, कलाकार, चित्रकार।

नोट :- ① उभयलिंग शब्द कब पुल्लिंग होंगे या कब स्त्रीलिंग के रूप में प्रयुक्त होते है इसका पता हमें इनके साथ प्रयुक्त होने वाली क्रिया से पता चलेगा।

जैसे - ① डॉक्टर चली गयी ⇒ स्त्रीलिंग

② डॉक्टर बोला रहे है ⇒ पुल्लिंग

③ मौलिका की राष्ट्रपति भारत आ रही है। = स्त्रीलिंग

④ भारत के राष्ट्रपति कोरिया गये थे। = पुल्लिंग

② नपुंसकलिंग का प्रयोग केवल संस्कृत में होता है।

लिंग की पहचान (शॉर्ट ट्रिक के साथ)

1.